5. मित्र को पत्र

ए- 53 ग्रेटर कैलाश

नई दिल्ली

दिनांक -.....

प्रिय राजीव

स्नेह!

इस बार तुम मेरे जन्मदिन पर नहीं आए। इसका मुझे बहुत दुख है। मैंने तुम्हारा बहुत इंतज़ार किया। तुम्हें छोड़कर सभी मित्र आए थे। वे भी तुम्हारे बारे में पूछते रहे।

राजीव, इस बार मेरे पिता जी ने मुझे जन्मदिन के उपहार में बहुत सुंदर साइकिल दी है। साइकिल का यह सबसे नया मॉडल है। इसका रंग लाल है। पिछले पहिये पर दोनों ओर छोटे-छोटे पहिये और लगे हैं। इसी कारण मैं बिना किसी की सहायता के भी इसे चला सकता हूँ। जब तुम यहाँ आओगे तो हम दोनों साथ मिलकर इसे चलाएँगे।

अंकल-आंटी व सोनम दीदी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

अर्जुन